देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

प्रेस–विज्ञप्ति

''मूक्स और डिजिटल शिक्षा'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वर्कशॉप का आयोजन

इन्दौर, 01 जून 2023। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के शैक्षिक बहुमाध्यम शोध केन्द्र (ईएमआरसी) विभाग एवं शैक्षिक संचार संकाय (सी.ई.सी.) नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से ''मूक्स और डिजिटल शिक्षा'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ वि.वि. के कुलगीत एवं मुख्य अतिथि प्रो. जे.बी. नड्डा, निदेशक, सी.ई.सी. नई दिल्ली, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. रेणु जैन, कार्यवाहक कुलसचिव सुश्री रचना ठाकुर एवं ईएमआरसी के निदेशक डॉ. चन्दन गुप्ता द्वारा माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। ईएमआरसी के निदेशक डॉ. चन्दन गुप्ता ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया।

उद्घाटन सत्र में प्रो. जे. बी. नड्डा जी के अनुसार शिक्षा कहीं से भी प्राप्त की जा सकती है चाहे फिल्मों से हो, डॉक्यूमेंट्री से, डिजिटल माध्यम से या स्कूल से । उन्होंने कहा, ''समावेशी शिक्षा के साथ ही शिक्षकों की कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए इस तरह की वर्कशॉप बहुत ही महत्वपूर्ण है''। साथ ही उन्होंने स्वयंप्रभा, मूक्स एवं एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की अवधारणा से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया।

मूक्स, ई–कंटेंट और एल.ओ.आर. के संबंध में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. रेणु जैन ने कहा, ''हमारा विश्वविद्यालय इस परियोजना में शामिल होकर एक महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यह पाठ्यक्रम हमारे विश्वविद्यालय व अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए उपयोगी होंगे, ऐसा मेरा विश्वास है।''

कार्यवाहक कुलसचिव सुश्री रचना ठाकुर ने सुझाव दिया कि कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन जैसे विषयों को भी मूक्स कोर्स में सम्मिलित करने की आवश्यकता है ताकि हर विद्यार्थी का कौशल विकास हो सके।

कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन संस्थान (NIEPA), नई दिल्ली, के प्रो. के. श्रीनिवास उच्च शिक्षा में मूक्स को अपनाने और विकसित करने पर व्याख्यान दिया। उन्होंने शिक्षक केन्द्रित शिक्षा के बजाय विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक में तीन गुण होना आवश्यक है– धैर्य, दृढ़ता और जुनून।

दुसरे तकनीकी सत्र में डॉ. तेजिन्दरपाल सिंह ने मूक्स को दिलचस्प बनाने की कला पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को मूक्स की निर्माण प्रक्रिया के बारे में विस्तृत चर्चा की और अपने अनुभव साझा किए।

इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय की अध्ययनशालाओं एवं विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 60 शिक्षकों ने प्रतिभागी के रूप में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिंदिता चटर्जी ने किया एवं धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. अर्चना सोमशेखर द्वारा दिया गया।

डॉ. चन्दन गुप्ता
मीडिया प्रभारी